हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड - भिवानी

प्रश्नवार विस्तृत अंकन योजना (2023 - 24)

कक्षा -12 वीं

विषय – भूगोल

प्रश्न पत्र कोड - D

प्रश्न	अंकन योजना (उत्तर के प्रत्येक भाग के महत्व सहित)		कुल अंक
अनुभाग – A वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न			
1	C फ्रेडरिक रैटज़ेल	1	1
2	C गेहूं।	1	1
3	B 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी	1	1
4	D इंडो-यूरोपियन	1	1
5	D मदुरै	1	1
6	C भोपाल	1	1
7	A गंगा और यमुना	1	1
8	विशाखापत्तनम	1	1
9	पानी की कमी और बेरोजगारी	1	1
10	घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट जल , शहरी और कृषि अपवाह	1	1
	अनुभाग- A के कुल अंक		10
अनुभाग - B अति लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न			
11	**पर्यावरणीय नियतिवाद एक भौगोलिक अवधारणा है जो बताती है कि जलवायु और इलाके सहित भौतिक वातावरण, मानव व्यवहार, संस्कृति और सामाजिक विकास को आकार देता है। यह मानव गतिविधियों पर प्रकृति का प्रत्यक्ष प्रभाव डालता है।**	2	2
12	**"हमारी पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भौतिक नियमों और इसमें रहने वाले जीवित प्राणियों के बीच संबंधों के अधिक सिंथेटिक ज्ञान के परिणामस्वरूप नवसृजन"**	2	2
13	**पुल कारक ऐसी स्थितियां या आकर्षण हैं जो लोगों को किसी विशेष क्षेत्र में जाने के लिए लुभाते हैं। नौकरी के अवसर, बेहतर रहने की स्थिति और सुविधाओं जैसे सकारात्मक कारक विशिष्ट क्षेत्रों में प्रवास को प्रोत्साहित करते हैं।**	2	2
14	**मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) मानव विकास के तीन बुनियादी क्षेत्रों पर विचार करता है: एक लंबा और स्वस्थ जीवन (स्वास्थ्य), ज्ञान (शिक्षा), और एक सभ्य जीवन स्तर (जीवन स्तर)।**	2	2
15	**निवल बोया गया क्षेत्र खेती के तहत कुल क्षेत्र है जिसमें एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र शामिल है। सकल फसली क्षेत्र खेती किया जाने वाला कुल क्षेत्र है, जिसमें कई फसल और अंतर-फसल शामिल हैं।**	2	2
	अथवा		
	सतत विकास एक समग्र दृष्टिकोण है जिसका उद्देश्य भविष्य की पीढ़ियों से समझौता किए	2	

	बिना वर्तमान जरूरतों को पूरा करना है। यह आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय पहलुओं को एकीकृत करता है, स्थायी कल्याण के लिए संतुलन और लचीलापन को बढ़ावा देता है।		
16	संचार व्यक्तियों या समूहों के बीच जानकारी, विचारों या संदेशों का आदान-प्रदान है। इसमें मौखिक, गैर-मौखिक या लिखित साधनों के माध्यम से विचारों या डेटा का संचरण और रिसेप्शन शामिल है।	2	2
	अथवा		
	हिंटरलैंड एक तटीय या शहरी केंद्र से जुड़े अंतर्देशीय या ग्रामीण क्षेत्र को संदर्भित करता है। यह आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करते हुए केंद्रीय केंद्र के लिए एक संसाधन आधार और बाजार के रूप में कार्य करता है।	2	
अनुभाग- B के कुल अंक		12	
अनुभाग - C लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न			
17	सभी भूमिगत खदानों में कुछ महत्वपूर्ण घटक समान होते हैं: ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग से जहरीले धुएं को साफ करने के लिए वेंटिलेशन शाफ्ट; बचने के मार्ग; निचले श्रमिकों और उपकरणों तक पहुंच शाफ्ट; अयस्क-परिवहन सुरंगें; उत्खनित अयस्क को सतह तक ले जाने के लिए रिकवरी शाफ्ट; और सूचना वापस भेजने के लिए संचार प्रणालियाँ	3	3
18	जनसंख्या के अध्ययन में कार्य भागीदारी दर (डब्ल्यूपीआर) कामकाजी उम्र की आबादी (15-64 वर्ष) के प्रतिशत को संदर्भित करती है जो या तो नियोजित है या सक्रिय रूप से रोजगार की तलाश में है।	1	3
	यह एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय संकेतक है जो आबादी के भीतर आर्थिक गतिविधि और श्रम शक्ति जुड़ाव के स्तर को दर्शाता है।	1	
	एक उच्च डब्ल्यूपीआर आम तौर पर अधिक सक्रिय और व्यस्त कार्यबल को इंगित करता है, जबकि कम दर आर्थिक निष्क्रियता या रोजगार के अवसरों के लिए बाधाओं का सुझाव दे सकती है।	1	
19	भारत में स्मार्ट सिटी मिशन, 2015 में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों को तकनीकी रूप से उन्नत, टिकाऊ और नागरिक-अनुकूल स्थानों में बदलना है। यह बुनियादी ढांचे के विकास, कुशल सार्वजनिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर केंद्रित है। चयनित शहरों में शहरी चुनौतियों का सामना करने, नवाचार, स्थिरता और समावेशी शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट समाधानों की व्यापक योजना और कार्यान्वयन होता है।	3	3
20	भूगोल में "लक्ष्य क्षेत्र योजना" में अलग-अलग चुनौतियों का सामना करने वाले विशिष्ट क्षेत्रों पर विकास त्मक प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। यह एक लक्षित क्षेत्र की अनूठी जरूरतों को पूरा करने के लिए रणनीतियों को तैयार करता है। यह दृष्टिकोण विविध भौगोलिक संदर्भों के लिए अधिक प्रभावी और अनुकूलित समाधान सुनिश्चित करता है।	2	3
	उदाहरण के लिए, शुष्क क्षेत्रों का विकास जल प्रबंधन परियोजनाओं पर जोर दे सकता है, जबकि शहरी लक्ष्य क्षेत्र जनसंख्या घनत्व और शहरीकरण चुनौतियों का समाधान करने के लिए बुनियादी ढांचे और आवास विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।	1	
21	भारत के विदेश व्यापार में कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स और सॉफ्टवेयर सेवाओं सहित निर्यात में	3	3

	विविधता की विशेषता है। आयात में कच्चे तेल, मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक सामान शामिल हैं। उच्च आयात मूल्य के कारण व्यापार संतुलन अक्सर व्यापार घाटा होता है। भारत द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों व्यापार समझौतों में संलग्न है। सेवा क्षेत्र, विशेष रूप से आईटी और सॉफ्टवेयर निर्यात, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विदेश व्यापार नीतियां वैश्विक आर्थिक रुझानों से प्रभावित होती हैं, जिसका उद्देश्य आर्थिक विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।		
	अथवा		
	भारतमाला परियोजना भारत में एक प्रमुख बुनियादी ढांचा पहल है जिसका उद्देश्य देश भर में सड़क संपर्क को बढ़ाना है। 2017 में शुरू किया गया, यह राष्ट्रीय राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और सीमा सड़कों के निर्माण और सुधार पर केंद्रित है। परियोजना का उद्देश्य माल ढुलाई और यात्री आंदोलन को अनुकूलित करना, रसद लागत को कम करना और दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़कर आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह समग्र कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक निर्बाध और कुशल सड़क नेटवर्क के विकास की कल्पना करता है।	3	
22	वायु प्रदूषण के गंभीर स्वास्थ्य प्रभाव हैं, जिससे श्वसन और हृदय संबंधी समस्याएं होती हैं। पार्टिकुलेट मैटर और सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे प्रदूषक फेफड़ों के रोग, अस्थमा और श्वसन संक्रमण का कारण बन सकते हैं। लंबे समय तक एक्सपोजर फेफड़ों के कैंसर और हृदय रोगों सहित पुरानी स्थितियों में योगदान देता है। बच्चे, बुजुर्ग और पहले से मौजूद स्थितियों वाले व्यक्ति विशेष रूप से कमजोर हैं। कुल मिलाकर, वायु प्रदूषण सार्वजनिक स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है, स्वास्थ्य देखभाल बोझ बढ़ाता है और जीवन की गुणवत्ता को कम करता है।	3	3
	अथवा		
	नमामि गंगे भारत में एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य गंगा नदी की सफाई और कायाकल्प करना है। 2014 में शुरू किया गया, यह सीवेज उपचार, रिवरफ्रंट विकास और सार्वजनिक जागरूकता अभियानों के लिए विभिन्न पहलों को एकीकृत करता है। कार्यक्रम गंगा के सांस्कृतिक और पर्यावरणीय महत्व को बहाल करने के लिए स्थायी अपशिष्ट जल प्रबंधन और पारिस्थितिक संरक्षण पर जोर देता है। नमामि गंगे एक स्वच्छ और स्वस्थ गंगा बेसिन सुनिश्चित करना चाहता है, जिसमें दीर्घकालिक नदी कायाकल्प के लिए कई हितधारक और अभिनव दृष्टिकोण शामिल हैं।	3	
अनुभाग- C के कुल अंक			18
अनुभाग - D दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रश्न			
23	दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है: सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन पैटर्न को प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिए, सांस्कृतिक मानदंड बड़े परिवार होने की वांछनीयता को प्रभावित कर सकते हैं।	1	5
	धर्म: धार्मिक विश्वास अक्सर परिवार नियोजन के प्रति दृष्टिकोण को आकार देते हैं और	1	

	जनसांख्यिकीय व्यवहार को प्रभावित करते हैं। धार्मिक रूप से प्रेरित प्रवासन पैटर्न भी जनसंख्या वितरण में योगदान कर सकते हैं।		
	भाषा: भाषा लोगों को एक साथ जोड़ती है और जातीय या सांस्कृतिक समूहों के गठन में एक कारक हो सकती है, जो निपटान पैटर्न को प्रभावित करती है।	1	
	शहरीकरण: ग्रामीण से शहरी जीवन में बदलाव एक सांस्कृतिक प्रवृत्ति है। आर्थिक अवसर, जीवन शैली में बदलाव और शहरी सुविधाएं शहरों में जनसंख्या एकाग्रता में योगदान करती हैं।	1	
	सामाजिक नीतियां: स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और परिवार नियोजन से संबंधित सरकारी नीतियां जनसांख्यिकीय व्यवहार और सामाजिक आर्थिक विकास को आकार देकर जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती हैं।	1	
	अथवा		
	जलवायु: मध्यम जलवायु अक्सर आरामदायक रहने की स्थिति के कारण बड़ी आबादी को आकर्षित करती है, जबकि चरम जलवायु निपटान को रोक सकती है।	1	
	स्थलाकृति: समतल और उपजाऊ परिदृश्य निपटान के लिए अनुकूल हैं, जबकि ऊबड़-खाबड़ इलाके जनसंख्या एकाग्रता को सीमित कर सकते हैं।	1	
	जल संसाधन: नदियों और समुद्र तटों जैसे जल निकायों से निकटता, परिवहन, कृषि और व्यापार की सुविधा प्रदान करती है, जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती है।	1	
	आर्थिक अवसर: प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों, नौकरी के अवसरों और आर्थिक गतिविधियों वाले क्षेत्र बड़ी आबादी को आकर्षित करते हैं।	1	
	बुनियादी ढांचा: अच्छी तरह से विकसित परिवहन और संचार नेटवर्क शहरी केंद्रों में जनसंख्या एकाग्रता में योगदान करते हैं।	1	
24	तृतीयक गतिविधियाँ, जिन्हें सेवा क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है, में आर्थिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है जो व्यक्तियों, व्यवसायों और अन्य क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करती हैं। तृतीयक गतिविधियों के कई प्रकार हैं:	1	5
	खुदरा और थोक व्यापार: इसमें उपभोक्ताओं (खुदरा) या अन्य व्यवसायों (थोक) को माल की बिक्री शामिल है। परिवहन और संचार: इसमें माल और लोगों की आवाजाही से संबंधित सेवाएं, साथ ही दूरसंचार और मीडिया जैसी संचार सेवाएं शामिल हैं।	1	
	वित्त और बैंकिंग: वित्तीय सेवाओं, बैंकिंग, बीमा और निवेश गतिविधियों को शामिल करता है। हेल्थकेयर और शिक्षा: स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और अनुसंधान सहित व्यक्तियों और समाज की भलाई के लिए आवश्यक सेवाएं प्रदान करता है।	1	
	पर्यटन और आतिथ्य: यात्रा, आवास और मनोरंजक गतिविधियों से संबंधित सेवाएं शामिल हैं। व्यावसायिक सेवाएं: कानूनी, लेखा, परामर्श और अन्य पेशेवर सेवाएं शामिल हैं।	1	
	सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी): कंप्यूटर प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर विकास और डेटा प्रबंधन से	1	

	संबंधित सेवाएं शामिल हैं। मनोरंजन और मनोरंजन: मनोरंजन, खेल और मनोरंजक गतिविधियों से संबंधित सेवाएं शामिल हैं। ये तृतीयक गतिविधियाँ आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, रोजगार, आर्थिक विकास और समग्र सामाजिक कल्याण में योगदान करती हैं।		
	अथवा		
	निर्वाह कृषि एक कृषि प्रथा है जो मुख्य रूप से किसान के परिवार के लिए भोजन प्रदान करने की ओर उन्मुख है, जिसमें बिक्री के लिए बहुत कम अधिशेष है। यह वाणिज्यिक कृषि के साथ विरोधाभास ी है जो बाजार के लिए फसलों का उत्पादन करता है।	1	
	आदिम निर्वाह कृषि: इस प्रकार में प्रौद्योगिकी के न्यूनतम उपयोग के साथ पारंपरिक, श्रम-गहन तरीके शामिल हैं। किसान सरल उपकरणों का उपयोग करते हैं और मैनुअल श्रम पर भरोसा करते हैं। स्लैश-एंड-बर्न खेती आम है, जहां वनस्पति को काटकर और जलाकर भूमि के एक भूखंड को साफ किया जाता है। भूमि की उर्वरता को परती के माध्यम से बहाल किया जाता है। यह प्रकार अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों में प्रचलित है।	2	
	गहन निर्वाह कृषि: भूमि की प्रति इकाई उच्च श्रम इनपुट की विशेषता है, गहन निर्वाह कृषि का उद्देश्य सीमित भूमि क्षेत्र से उत्पादन को अधिकतम करना है। इसमें अक्सर सिंचाई, कई फसलऔर उच्च उपज वाली फसल किस्मों का उपयोग शामिल होता है। यह प्रकार एशिया के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में प्रचलित है, जैसे कि भारत और चीन के कुछ हिस्से। दोनों प्रकार ों का उद्देश्य किसान परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना है, जिसमें प्राथमिक अंतर प्रौद्योगिकी के स्तर और नियोजित श्रम की तीव्रता में निहित है।	2	
25	सतत विकास भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है। इसमें दीर्घकालिक कल्याण को बढ़ावा देने और प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने के लिए आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय आयामों का एकीकरण शामिल है।	1	5
	नवीकरणीय ऊर्जा अपनाना: सौर, पवन और जल विद्युत जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को प्रोत्साहित करना, परिमित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करता है, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है, और टिकाऊ ऊर्जा प्रथाओं को बढ़ावा देता है।	1	
	संसाधन दक्षता: रीसाइक्लिंग कार्यक्रमों, स्थायी वानिकी प्रथाओं और जिम्मेदार जल प्रबंधन सहित संसाधन दक्षता बढ़ाने और अपशिष्ट उत्पादन को कम करने के उपायों को लागू करना।	1	
	जैव विविधता संरक्षण: पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा और बहाली जैव विविधता को बनाए रखने में मदद करती है। संरक्षण के प्रयास, निवास स्थान की बहाली, और टिकाऊ भूमि-उपयोग प्रथाएं पारिस्थितिकी तंत्र लचीलापन में योगदान करती हैं।	1	
	ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर: शहरी क्षेत्रों के भीतर हरे स्थानों का विकास, स्थायी शहरी नियोजन को	1	

	बढ़ावा देना, और पार्कों और हरी छतों जैसे हरे बुनियादी ढांचे में निवेश करना वायु गुणवत्ता में सुधार करता है, गर्मी द्वीप प्रभाव को कम करता है, और समग्र शहरी स्थिरता को बढ़ाता है।		
	अथवा		
	हाइडल पावर, भारत के ऊर्जा पोर्टफोलियो का एक महत्वपूर्ण घटक, बिजली उत्पन्न करने के लिए बहते पानी की संभावित ऊर्जा का उपयोग करता है। भारत की विविध स्थलाकृति और पर्याप्त जल संसाधन इसे जल विद्युत विकास के लिए अनुकूल बनाते हैं। देश ने रणनीतिक रूप से कई जल विद्युत परियोजनाओं को लागू किया है, जिसमें भाखड़ा-नांगल जैसे बड़े बांधों और विभिन्न नदी घाटियों में छोटे पैमाने पर परियोजनाओं का मिश्रण है।	2	
	हाइडल पावर भारत के बिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो एक स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प प्रदान करता है। हिमालय क्षेत्र, अपनी तेजी से बहने वाली नदियों के साथ, बड़े जल विद्युत प्रतिष्ठानों के लिए एक केंद्र बिंदु रहा है। टिहरी और नाथपा झाकड़ी जैसी परियोजनाएं भारत के बिजली बुनियादी ढांचे के महत्वपूर्ण घटक बन गई हैं।	1	
	इसके लाभों के बावजूद, जल विद्युत चुनौतियों का सामना करता है। आवास व्यवधान और स्थानीय समुदायों के विस्थापन सहित पर्यावरणीय प्रभाव से संबंधित चिंताएं, सतत विकास के साथ ऊर्जा की जरूरतों को संतुलित करने के महत्व को उजागर करती हैं। पानी की उपलब्धता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव विचारशील परियोजना योजना की आवश्यकता पर जोर देते हैं।	1	
	हाल के वर्षों में, नवीकरणीय ऊर्जा पर बढ़ते जोर ने जल विद्युत में रुचि को बढ़ावा दिया है। प्रौद्योगिकी में प्रगति और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने पर ध्यान केंद्रित करने से अधिक टिकाऊ जल विद्युत परियोजनाओं का विकास हो रहा है। जैसा कि भारत अपने ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाना जारी रखता है, पनबिजली एक अधिक टिकाऊ और लचीला बिजली क्षेत्र की दिशा में राष्ट्र की यात्रा में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनी हुई है।	1	
अनुभाग- D के कुल अंक		15	
अनुभाग – E मानचित्र कार्य			
26	पाराद्वीप बंदरगाह	1	5
	मैंगलोर तेल रिफाइनरी	1	
	भिलाई इस्पात संयंत्र	1	
	रानीगंज कोलफील्ड	1	
	विशाखापट्टनम समुद्री बंदरगाह	1	
कुल अंक		60	